योजना का सार

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और जल जीवन मिशन

- भारत सरकार ने वर्ष 2014 में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) [SBM-G] और वर्ष 2019 में जल जीवन मिशन (JJM) शुरू करके ग्रामीण शासन में दो ऐतिहासिक कदम उठाए। ये पहल सिर्फ स्वच्छता और पेयजल आपूर्ति तक सीमित नहीं हैं। ये सामुदायिक भागीदारी, व्यवहार परिवर्तन और संस्थागत मजबूती को बढ़ावा देती हैं जो 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। ये दोनों मिशन ग्रामीण भारत को बदलने की दिशा में एक सतत प्रयास हैं जो सार्वजनिक स्वास्थ्य, गरिमा, महिला सशक्तीकरण और वर्ष 2047 तक विकसित भारत की नींव रखते हैं।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की उपलब्धियाँ

- स्वच्छता कवरेज: वर्ष 2014 में ग्रामीण स्वच्छता कवरेज 39% थी, जो वर्ष 2019 तक 100% हो गई और भारत को खुले में शौच मुक्त (ODF) घोषित किया गया।
- दूसरा चरण (2020-21 से): अब फोकस ODF Plus (ODF +) पर है अर्थात ODF की स्थिति बनाए रखना, ठोस एवं तरल कचरे का प्रबंधन तथा गाँवों की दृश्य स्वच्छता। जुलाई 2025 तक:
  - 96% गाँव ODF Plus हैं।
  - 4.70 लाख गाँव ODF Plus मॉडल गाँव बन चुके हैं।

- स्वास्थ्य प्रभाव: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO, 2018) के अनुसार, SBM-G ने वर्ष 2019 में वर्ष 2014 की तुलना में 3 लाख दस्त से होने वाली मौतों को रोका। UNICEF-BMGF अध्ययनों ने पुष्टि की कि इससे महिलाओं को सुविधा, सुरक्षा एवं स्वाभिमान मिला।
- स्वच्छता का नया अर्थ: स्वच्छता को अब सिर्फ बुनियादी ढांचे के रूप में नहीं, बल्कि गरिमा, समानता एवं नागरिक-सरकार साझेदारी के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

जल जीवन मिशन की उपलब्धियाँ

- घरेलू नल कनेक्शन: जुलाई 2025 तक JJM ने 15.67 करोड़ घरों में कार्यशील नल कनेक्शन प्रदान किए (80% से अधिक कवरेज)।
- सार्वजनिक संस्थान: सभी स्कूलों एवं आंगनवाड़ियों में अब पाइप से पानी की आपूर्ति हो रही है।
- महिला सशक्तीकरण: 24 लाख से अधिक महिलाओं को पानी की गुणवत्ता जांचने के लिए फील्ड टेस्टिंग किट का प्रशिक्षण दिया गया। 'जल सखी' और 'जल सहिया' की भूमिका उभरी।
- शासन में नवाचार: पंचायतों और ग्राम जल व स्वच्छता समितियों को योजना, संचालन एवं रखरखाव के लिए सशक्त किया गया।
- WHO की रिपोर्ट के अनुमान:
  - प्रतिवर्ष 4 लाख दस्त से होने वाली मौतों को रोकना।
  - प्रतिदिन 5.5 करोड़ मानव-घंटों की बचत, खासकर महिलाओं के समय की।
  - 8.28 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक लाभ।

गहरे सामाजिक-आर्थिक प्रभाव

- नेचर (2024) अध्ययन: SBM-G ने शिशु और पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर को कम किया, जिससे प्रतिवर्ष 60,000-70,000 शिशु जीवन बचे।

- रोजगार सृजन: JJM से कार्यान्वयन चरण में 60 लाख प्रत्यक्ष और 2 करोड़ से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार वर्ष सृजित होने की उम्मीद है।
- भूजल गुणवत्ता: UNICEF (2018-19) के अनुसार, ODF गाँवों में भूजल 12.7 गुना कम दूषित पाया गया।
- इन मिशनों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, ग्रामीण उत्पादकता और पर्यावरणीय स्थिरता में सुधार किया है।

SBM-G और JJM का SMART भविष्य

- SBM-G और JJM का भविष्य SMART दृष्टिकोण पर आधारित है:
  - स्थिरता (Sustainability): बुनियादी ढांचे से सिस्टम प्रबंधन की ओर बढ़ना, मजबूत संचालन एवं रखरखाव (O&M) प्रोटोकॉल और जलवायु से जुड़े स्वच्छता समाधान
  - महिलाओं को केंद्र में रखना: स्वयं सहायता समूह (SHG), रानी मिस्त्री, स्वच्छाग्रही, और महिला-नेतृत्व वाली O&M इकाइयों के माध्यम से महिलाओं की नेतृत्वकारी भूमिका को संस्थागत करना
  - निजी क्षेत्र की भागीदारी: गोबरधन, सर्कुलर अर्थव्यवस्था मॉडल और CSR समर्थित स्वच्छता उद्यमों को बढ़ावा देना
  - संचार प्रोटोकॉल को फिर से स्थापित करना: कचरा पृथक्करण, मासिक धर्म स्वच्छता और डिजिटल जागरूकता अभियानों के लिए गहरे व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना
  - प्रशिक्षण एवं तकनीक: स्मार्ट स्वच्छता गाँव, IoT-आधारित निगरानी, सौर ऊर्जा से चलने वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) और वास्तविक समय में पानी की गुणवत्ता प्रणाली

जल जीवन मिशन 2.0: नल से आगे

- JJM को वर्ष 2028 तक बढ़ाया गया है जिसमें कवरेज से स्थिरता की ओर ध्यान केंद्रित किया गया है। चार रणनीतिक दिशाएँ इसकी अगली अवस्था को परिभाषित करती हैं:

- नल कवरेज से जल सुरक्षा: 'कैच द रेन' अभियान, झरना प्रबंधन, एक्विफर रिचार्ज और वर्षा जल संचयन के माध्यम से स्रोत स्थिरता
- बुनियादी ढांचे से नवाचार: IoT, वास्तविक समय निगरानी डैशबोर्ड और जलवायु-स्मार्ट गाँव
- लाभार्थियों से सह-निर्माता: जल दूतों और जल सखियों के माध्यम से ग्राम पंचायतों को स्वामित्व देना
- पृथकता से समन्वय: पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और कृषि के बीच अंतर-क्षेत्रीय समन्वय सुनिश्चित करना

➢ विजन: हर गाँव को स्वच्छ सुजल गाँव बनाना, जिसमें सुरक्षित पानी, ODF Plus प्रमाणन और समग्र कल्याण हो।

SDGs और शासन परिवर्तन के साथ तालमेल

➢ SBM-G व JJM संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (SDG) 6 (स्वच्छ पानी एवं स्वच्छता) के केंद्र में हैं और स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता और गरीबी उन्मूलन जैसे अन्य SDGs में प्रगति को बढ़ावा देते हैं।

➢ शासन परिवर्तन:

- विकेंद्रीकृत, सामुदायिक नेतृत्व वाली योजना
- पंचायतों और स्वयं सहायता समूहों का सशक्तीकरण
- जन भागीदारी (लोगों की साझेदारी) को संस्थागत करना

➢ ये मिशन बुनियादी ढांचे के निर्माण से शुरू होकर अब स्थानीय शासन और नागरिक सशक्तीकरण के नए मॉडल में विकसित हुए हैं, जो 2047 तक विकसित भारत के मार्ग को मजबूत करते हैं।

....

महिलाओं का सशक्तीकरण और बच्चों का पोषण

परिचय

➢ स्वच्छ पानी, पर्याप्त स्वच्छता एवं बेहतर स्वच्छता आदतों को सामूहिक रूप से **WASH** (वाटर, सैनिटेशन, हाइजीन) कहा जाता है, जोकि एक बुनियादी मानवाधिकार है। यह लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, बच्चों के विकास को बेहतर बनाने और समावेशी सामाजिक-आर्थिक प्रगति को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

WASH का लैंगिक आयाम

➢ भारत में पानी लाने और स्वच्छता प्रबंधन का बोझ ज्यादातर महिलाओं व लड़कियों पर पड़ता है जो उनके कई घंटे रोजाना ले लेता है। इससे उनकी शिक्षा, आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी एवं सामुदायिक मामलों में शामिल होने की संभावनाएँ सीमित हो जाती हैं। अपर्याप्त स्वच्छता सुविधाएँ महिलाओं को स्वास्थ्य जोखिमों, हिंसा एवं उत्पीड़न की ओर भी ले जाती हैं। WASH से जुड़ी प्रमुख लैंगिक चुनौतियां:

➢ **मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (MHM)**: सुरक्षित एवं निजी सुविधाओं की कमी से लड़कियों की स्कूल उपस्थिति व गरिमा प्रभावित होती है।

➢ **सुरक्षा और गरिमा**: शौचालयों की उपलब्धता उत्पीड़न के जोखिम को कम करती है।

➢ **समय का बोझ**: पास में पानी के स्रोत होने से शिक्षा, कौशल विकास एवं आय अर्जन के लिए समय बचता है।

➢ **सशक्तीकरण**: सामुदायिक स्तर पर WASH निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी नेतृत्व एवं स्वायत्तता को मजबूत करती है।

बच्चों का कल्याण और WASH

➢ सुरक्षित जल एवं स्वच्छता बच्चों के जीवित रहने, विकास व समग्र कल्याण के लिए महत्वपूर्ण हैं। खराब WASH स्थितियां दस्त, कुपोषण और स्कूल अनुपस्थिति का कारण बनती हैं। बच्चों के लिए बेहतर WASH के लाभ:

- **बेहतर स्वास्थ्य**: दस्त, हैजा और टाइफाइड जैसे जलजनित रोगों की घटनाओं में कमी।
- **बेहतर पोषण**: स्वच्छ वातावरण पोषक तत्वों के अवशोषण को बेहतर बनाता है और कुपोषण से लड़ता है।
- **स्कूल उपस्थिति**: विशेष रूप से लड़कियों के लिए कार्यशील शौचालयों से स्कूल में नामांकन और पढ़ाई जारी रखने की दर बढ़ती है।
- **प्रारंभिक बाल्यकाल विकास**: आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वच्छता शिक्षा छोटी उम्र से ही स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देती है।

सरकारी कार्यक्रमों में WASH का एकीकरण

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MoWCD) ने लैंगिक समानता और बाल विकास के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख कार्यक्रमों में WASH को शामिल किया है।

मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और मिशन पोषण 2.0

- **कवरेज**: 14 लाख से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों और 10 करोड़ से अधिक लाभार्थियों (बच्चे, गर्भवती महिलाएँ, स्तनपान कराने वाली माताएँ और किशोरियां) को कवर करता है।
- **सेवाएँ**: पूरक पोषण (गर्म भोजन, टेक-होम राशन), प्रारंभिक बाल्यकाल देखभाल और शिक्षा (ECCE), स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण।
- **WASH प्रचार**: वर्ष 2018 से 7 करोड़ सामुदायिक कार्यक्रम और 2 करोड़ घरेलू दौरे किए गए।
- **बुनियादी ढांचा**:
  - 10.27 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यशील शौचालय
  - 12.53 लाख केंद्रों में पेयजल सुविधाएँ
  - सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र पहल के तहत बेहतर बुनियादी ढांचा, जल शोधन प्रणाली, ECCE सामग्री और पोषण वाटिका

किशोरी लड़कियों के लिए योजना (SAG)

- **लक्ष्य**: पूर्वोत्तर राज्यों एवं आकांक्षी जिलों में 23 लाख किशोरियों को लक्षित
- **फोकस**: पोषण, स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता और सहपाठी-नेतृत्व वाली स्वच्छता शिक्षा

विशेष अभियान और जन आंदोलन

- **पोषण माह, पोषण पखवाड़ा और विशेष अभियान 3.0**: आंगनवाड़ी केंद्रों और सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता, सैनिटेशन एवं सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देते हैं।
- **मिशन शक्ति और 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' (BBBP)**: लैंगिक संवेदीकरण और स्वच्छता प्रचार को जोड़कर अपर्याप्त स्वच्छता के कारण किशोरियों की स्कूल छोड़ने की दर को संबोधित करता है।
- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) और मिशन वात्सल्य**: माताओं एवं शिशुओं के लिए प्रसवपूर्व देखभाल, बाल देखभाल और स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। बाल देखभाल संस्थानों (CCIs) और सेवा वितरण संरचनाओं के लिए स्वच्छता कार्य योजना (SAP) फंड शामिल हैं।

WASH की सफलता के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण

- **सामुदायिक भागीदारी**: स्वयं सहायता समूह (SHG) और सामुदायिक स्वयंसेवक ग्रे-वाटर प्रबंधन, शौचालय रखरखाव और स्वच्छता प्रचार में सक्रिय हैं।
- **व्यवहार परिवर्तन**: बड़े पैमाने पर अभियान, घरेलू दौरे और स्कूल-आधारित कार्यक्रम WASH प्रथाओं को लंबे समय तक अपनाने को बढ़ावा देते हैं।
- **अंतर-क्षेत्रीय समन्वय**: शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला व बाल विकास मंत्रालयों के बीच सहयोग से संसाधनों का अनुकूलन एवं स्थायी परिणाम सुनिश्चित होते हैं।

आगे का रास्ता

- WASH के स्थायी कार्यान्वयन के लिए:
  - विशेष रूप से हाशिए पर स्थित समुदायों के लिए सुरक्षित जल एवं कार्यशील शौचालयों तक सार्वभौमिक पहुंच
  - व्यवहार परिवर्तन संचार और सामुदायिक जुटाव में निरंतर निवेश
  - पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा परिणामों के साथ WASH को एकीकृत करने के लिए आंगनवाड़ी व किशोरी कार्यक्रमों को मजबूत करना।
  - निगरानी, डेटा-आधारित निर्णय लेने और अंतर-विभागीय समन्वय को बढ़ाना।

निष्कर्ष

- WASH केवल बुनियादी ढांचे का मामला नहीं है बल्कि यह सशक्तीकरण और विकास का उत्प्रेरक है। स्वच्छ पानी, स्वच्छता व हाइजीन सुनिश्चित करके भारत महिलाओं को सशक्त कर रहा है, बच्चों का पोषण कर रहा है, कुपोषण एवं लैंगिक असमानता का चक्र तोड़ रहा है और भागीदारी शासन को बढ़ावा दे रहा है। जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, मिशन पोषण 2.0 और सक्षम आंगनवाड़ी जैसे कार्यक्रम इस बात का उदाहरण हैं कि कैसे लक्षित हस्तक्षेप, सामुदायिक भागीदारी एवं तकनीकी नवाचार जीवन को बदल सकते हैं तथा समावेशी विकास को गति दे सकते हैं।